DAY -2 वचन जीवन का रचियता है। **Agent of creation**
DANIEL'S BREAKTHROUGH FASTING AND PRAYER

John 1:1-4 in Hindi (ERV - Easy-to-Read Version):

1. "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।"
2. "वह आदि में परमेश्वर के साथ था।"
3. "सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से एक भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई।"
4. "उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी।"

John 1:1-4 in the King James Version (KJV):

1 "In the beginning was the Word, and the Word was with God, and the Word was God."

2 "The same was in the beginning with God."

3 "All things were made by him; and without him was not any thing made that was made."

4 "In him was life; and the life was the light of men."

- **(KJV):**
  "In him was life; and the life was the light of men."
- **(NLT):**
  "The Word gave life to everything that was created, and his life brought light to everyone."
- **(ERV - Easy-to-Read Version):**
  "उसमें जीवन था और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी।"

इस शब्द उसमें का क्या अर्थ है ?
यह शब्द, 'उसमे' का अर्थ है 'वचन' से और वचन 'यीशु' को दिखाता है।

जब आप वचन को किसी उस चीज़ में बोलते हो, तो जो चीज़ रची गयी है तो उस चीज़ में जीवन आ जाता है।

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.

क्या आपको मलूम जब आप इस वचन को किसी चीज़ बे बोल रहे हो तो क्या करा रहे हो ?
जब आप इस वचन को किसी चीज़ पे बोलते हो तो अप्प उस में जीवन को फुक रहे हो।
वचन जीवन का रचियता है।
Agent of creation

Additional Scriptural Support:

- कुलुस्सियों **Colossians 1:16 (KJV)**

  "क्योंकि उसी में सब वस्तुओं की सृष्टि हुई, जो स्वर्ग में हैं और जो पृथ्वी पर हैं, दिखाई और अदृश्य, क्या सिंहासन, क्या प्रभुत्व, क्या प्रधानता, क्या अधिकार, सब कुछ उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजा गया है।"
  "For by him were all things created, that are in heaven, and that are in earth, visible and invisible... all things were created by him, and for him."

  - यह पुष्टि करता है कि यीशु सृष्टि के कारण हैं, जो शारीरिक और आत्मिक दोनों क्षेत्रों के लिए उत्तरदायी हैं।

    This confirms that Jesus is the agent of creation, responsible for both the physical and spiritual realms.

- इब्रानियों **Hebrews 1:2 (KJV)**
  "इन अन्तिम दिनों में उसने हम से पुत्र के द्वारा बातें की हैं, जिसे उसने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और जिसके द्वारा उसने संसार की सृष्टि भी की।"

  "Hath in these last days spoken unto us by his Son, whom he hath appointed heir of all things, by whom also he made the worlds."

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.

यीशु के नाम की समर्थ देखें।

1. यीशु के नाम से पतरस लंगड़ा आदमी चला देता है

- **Hindi:** पतरस ने सुंदर द्वार पर लंगड़े आदमी को यीशु के नाम में ठीक किया।
- **English:** Peter healed a lame man at the Beautiful Gate in the name of Jesus.
  Reference: Acts 3:6-8
  "पतरस ने कहा, 'सोने और चांदी का मुझे कुछ नहीं, परन्तु जो कुछ मेरे पास है, वही तुझे देता हूँ; यीशु मसीह के नाम में उठ और चल।'"

---

2. यीशु का नाम बीमार सही होते हैं दुष्टात्मा लोगों को छोड़ के चली जाती है।

Hindi: पतरस ने यरूशलेम में बीमारों को ठीक किया और दुष्ट आत्माओं को निकाला।

- **English:** Peter healed the sick and cast out evil spirits in the name of Jesus in Jerusalem.
  Reference: Acts 5:15-16
  "सो कि वे पतरस की छाया पर गिरें, और बीमारों को ले जाने लगे, और उन्होंने सबका ठीक किया।"

---

3. यीशु के नाम से पौलुस भविष्यवाणी करने वाली दासी को दुष्ट के हाँथ से आज़ाद करता है।

- **Hindi:** पौलुस ने एक दासी से भविष्यवाणी करने वाली आत्मा को यीशु के नाम में निकाला।
- **English:** Paul cast out a spirit of divination from a slave girl in the name of Jesus.
  Reference: Acts 16:18
  "मैं तेरे से यीशु मसीह के नाम में कहता हूँ, उससे निकल जा!"

---

4. यीशु के नाम से मुर्दा को जिलाया जाता है।

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.

Hindi: पतरस ने तबिता को यीशु के नाम में जीवित किया।

- **English:** Peter raised Tabitha from the dead in the name of Jesus.
  Reference: Acts 9:36-41
  "तब पतरस ने उसे पकड़कर कहा, 'तबिता, उठ!' और वह खुली हुई आंखों से बैठ गई।"

यहाँ दस व्यावहारिक तरीके हैं जिनसे आप यीशु के नाम का उपयोग विभिन्न पहलुओं में कर सकते हैं, जिसमें चुनौतियाँ और आवश्यकताएँ शामिल हैं:

Here are ten practical ways you can use the name of Jesus in various aspects of your life, including challenges and needs:

1. In Pain or Suffering • **Use:** Call on the name of Jesus when you're experiencing physical or emotional pain. • **Example:** "In the name of Jesus, I ask for relief from this pain." **2. In Financial Difficulties** • **Use:** Pray for guidance and provision in your finances. • **Example:** "Jesus, I trust you to provide for my needs in this financial struggle." **3. In Anxiety or Fear** • **Use:** Seek peace in times of anxiety or fear by invoking	**1.** दर्द या दुख में • उपयोग: जब आप शारीरिक या मानसिक दर्द महसूस कर रहे हों, तो यीशु के नाम का आह्वान करें। • उदाहरण: "यीशु के नाम में, मैं इस दर्द से राहत चाहता हूँ।" • **2.** वित्तीय कठिनाइयों में • उपयोग: अपनी वित्तीय स्थिति में मार्गदर्शन और प्रावधान के लिए प्रार्थना करें। • उदाहरण: "यीशु, मैं इस वित्तीय संघर्ष में मेरी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तुझ पर भरोसा

His name.
- **Example:** “In the name of Jesus, I cast out this fear and claim peace.”

4. In Relationships

- **Use:** Pray for healing and restoration in broken relationships.
- **Example:** “I ask for reconciliation in my family in the name of Jesus.”

5. In Work or Career Challenges

- **Use:** Seek guidance and favor in your job or career decisions.
- **Example:** “Jesus, please direct my path and help me succeed in my work.”

6. In Spiritual Battles

- **Use:** Declare victory over spiritual attacks or temptations.
- **Example:** “In the name of Jesus, I rebuke any negativity or evil influence.”

7. In Health Concerns

- **Use:** Pray for healing for yourself or loved ones.
- **Example:** “I claim healing in the name of Jesus for my friend who is ill.”

8. In Decision-Making

- **Use:** Seek wisdom and clarity in making important

करता हूँ।"

3. चिंता या भय में

- उपयोग: चिंता या भय के समय में शांति प्राप्त करने के लिए उनका नाम लें।
- उदाहरण: "यीशु के नाम में, मैं इस भय को बाहर फेंकता हूँ और शांति का दावा करता हूँ।"

4. रिश्तों में

- उपयोग: टूटे हुए रिश्तों में सुधार और पुनर्स्थापना के लिए प्रार्थना करें।
- उदाहरण: "मैं अपने परिवार में पुनर्स्थापना के लिए यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूँ।"

5. काम या करियर की चुनौतियों में

- उपयोग: अपने काम या करियर के निर्णयों में मार्गदर्शन और अनुग्रह की प्रार्थना करें।
- उदाहरण: "यीशु, कृपया मुझे मार्गदर्शन दें और मेरे काम में सफलता में सहायता करें।"

6. आध्यात्मिक युद्ध में

- उपयोग: आध्यात्मिक हमलों या प्रलोभनों पर विजय प्राप्त करने के लिए घोषणा करें।
- उदाहरण: "यीशु के नाम में, मैं किसी भी नकारात्मकता या बुरे प्रभाव को नकारता हूँ।"

7. स्वास्थ्य चिंताओं में

- उपयोग: अपने लिए या प्रियजनों के लिए स्वास्थ्य की प्रार्थना करें।
- उदाहरण: "मैं अपने बीमार मित्र के लिए यीशु के नाम में स्वास्थ्य

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.

decisions.
- **Example:** “Jesus, guide me in making the right choice in this situation.”

9. In Daily Protection

- **Use:** Ask for protection over yourself and your family.
- **Example:** “In the name of Jesus, I plead for your protection over my home.”

10. In Times of Doubt

- **Use:** Strengthen your faith and trust in God’s promises.
- **Example:** “I declare my faith in the name of Jesus, who never fails.”

का दावा करता हूँ।"

8. निर्णय लेने में

- उपयोग: महत्वपूर्ण निर्णय लेने में बुद्धि और स्पष्टता के लिए प्रार्थना करें।
- उदाहरण: "यीशु, इस स्थिति में सही चुनाव करने के लिए मुझे मार्गदर्शन करें।"

9. प्रतिदिन की सुरक्षा में

- उपयोग: अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
- उदाहरण: "यीशु के नाम में, मैं अपने घर पर सुरक्षा का आह्वान करता हूँ।"

10. संदेह के समय में

- उपयोग: ईश्वर के वादों में अपने विश्वास और भरोसे को मजबूत करें।
- उदाहरण: "मैं यीशु के नाम में अपने विश्वास की घोषणा करता हूँ, जो कभी असफल नहीं होते।"

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.